Folk recital

A Rajasthani folk recital being presented by Anwar Khan Langa and troupe at DAV BRS Nagar. TRIBUNE PHOTO

Students of DAV Public School had a lifetime experience of listening to Rajasthani Folk Recital by Anwar Khan Langa and his troupe, who performed under the aegis of the Spic Macay Society dedicated to the promotion of Indian classical music and culture among the youth. The programme started with a lamp lighting by Neelam Kapoor and Parmeet Saini from Spic Macay, Anwar Khan Langa and the Principal. The beats of Rajasthani folk compelled one and all to tap their feet. The powerful voice in which the maestro gave a glimpse of the colourful land of the braves transported all to Rajasthan. The language barrier could not stop anyone from enjoying the music.

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में गायकी का जलवा

लुधियाना, 10 अक्तूबर (सलूजा): डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बी.आर.एस. नगर में स्पिक मैके शो का आयोजन किया गया। शो की शुरूआत शमा रोशन से हुई। इस अवसर पर कलाकार अनवर खान लांगा के राजस्थानी ग्रुप ने अपनी गायकी का जलवा दिखाया।

इस समारोह में स्पिक मैके चैप्टर के नीलम कपूर व डा. परमजीत सैनी ने विशेष तौर पर शिरकत करते हुए कहा कि आज के युग में जहां उच्च शिक्षा का ज्ञान होना बेहद जरूरी है, वहीं शिक्षा के साथ खेलों, साहित्य व सभ्याचारक में भी स्टूडैंट्स को हिस्सा लेना चाहिए। प्रिं. जसविन्द्र कौर ने स्कूल की शानदार प्राप्तियों पर रोशनी डालते हुए आए मेहमानों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह की शुरूआत शमां रोशन करके करते हुए और गायकी की खूबसूरत पेशकारी देते गायक।

अनवर की जुबान गा रही थी, पर दिल रो रहा था

मंच पर खल रही थी पिता की कमी, अकेले पहुंचे अनवर ▶▶ कहा- कोशिश यही कि पिता की परंपरा को रखूं कायम

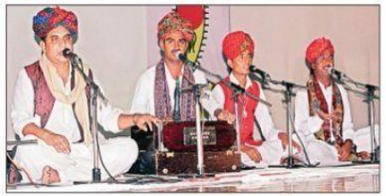

बी.सी.एम. आर्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्पिक मैके की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में राजस्थानी लोक गायक अनवर खान अपने साथियों के साथ प्रोग्राम पेश करते हुए, (मध्य) बी.सी.एम. आर्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में स्पिक मैके की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित आडियंस तथा (दाएं) डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बी.आर.एस. नगर में स्पिक मैके के प्रोग्राम में रास्थानी लोकगायकों के साथ प्रिंसीपल व अन्य। (गरचा)

लुधियाना, 10 अक्तूबर (रजनी): आवाज के दम पर ऑडियंस को कायल करने वाले राजस्थानी लोक गायक अनवर खान लंगा ने बी.सी.एम. स्कूल और डी.ए.वी. स्कूल के मंच पर दमदार परफॉर्मेंस दी। मंच पर वह गा जरूर रहे थे, उनका दिल रो रहा था क्योंकि लुधियाना में स्पिक मैके के प्रोग्राम में वह पिता के बिना पहली बार परफॉर्म कर रहे थे। मार्च 2017 में पिता उस्ताद रहमत खान लांगा के देहांत के बाद अनवर अब अपने साथी कलाकारों के साथ उनकी परंपरा को कायम रखे हुए हैं। अनवर आठ वर्ष की आयु से ही पिता के साथ मंच पर गा रहे हैं, वहीं अब उनका बेटा भी उन्हें फॉलो कर रहा है।

अनवर खान लांगा ने बताया कि उनके पूर्वज जोधपुर के रहने वाले हैं लेकिन उनके पिता काफी समय से दिल्ली में आकर बस गए थे। जब वह आठ वर्ष के थे तो वह पिता को गाते देखते थे। उनके भाव, उनके बोल सभी पर पूरी तरह से नजर रखते थे। उन्होंने आठ वर्ष से ही पिता के साथ मंच पर गाना शुरू कर दिया। तब से लेकर अब तक पिता के साथ ही मंच शेयर किया है लेकिन मार्च में पिता के देहांत के बाद उनको मंच पर कमी खलती है लेकिन उनके आशीर्वाद से परंपरा को कायम रखना जरूरी है, इसलिए जिस आयु में उन्होंने अपने पिता के साथ गाना शुरू किया, अब उनका बेटा भी उसी दौर में है। बेटा उनका साथ देने की तैयारी कर रहा है। अनवर ने कहा उनकी पीढ़ीयां इस व्यवसाय से जुड़ी हैं, वह चाहते हैं कि उनके बच्चे भी उनका साथ दें। अनवर बताते हैं कि वह भी रॉक बैंड बना सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, पिता के सपने को पूरा करना है। उनको गिटार, तबला, हारमोनियम सब आता है, वह सिखाते भी हैं। अनवर बताते हैं कि वह दिन में दो घंटे रियाज करते हैं, उनके साथ उनके साथी जोधपुर से परफॉर्म करने के लिए आते हैं। पूरा लांगा परिवार इससे जुड़ा है, उनके साथ मंच पर परफॉर्म करने वालों में उनका साला, जीजा, मामा का लड़का, चाचा का लड़का भी शामिल है।

उनका गाना निंबुड़ा-निंबुड़ा बॉलीवुड ने चुराया

अनवर खा लांगा बताते है कि उन्होंने निंबुडा-निंबुडा-निंबुडा गाना पहली बार दिल्ली के प्रगति मैदान में परफार्म किया था। यह गाना उनका खानदानी गाना है। इसको किसी ने नहीं लिखा लेकिन हिंदी फिल्म हम दिल दे चुके सनम में जब से गाना आया तो वह खुद हैरान थे कि वह गीत उनके पास कैसे पहुंचा, उन्होंने उनका गाना चुराया है। अनवर ने बताया कि जो गाने वह मंच पर गाने है उनको कोई नहीं लिखता, बस माहौल के मुताबिक खुद गाना बन जाता है। वह अपने गीतों को कहीं लिखते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया में तो लोगों को पता है कि राजस्थान के कलाकार राजस्थानी फोक गाएंगे लेकिन विदेशों में भी लोग उनको खूब इज्जाय करते हैं, बहुत प्यार मिलता है।

राजस्थानी लोक गायकों ने बांधा समां, लोकगीतों पर झूमे स्टूडैंट

लुधियाना (रजनी) : बी.सी.एम. आर्य मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल शास्त्री नगर के स्वामी विवेकानंद हाल में स्पिक मैके की ओर से राजस्थानी लोकगायन का प्रोग्राम करवाया गया, जिसमें अनवर खान सहित सात कलाकारों के मंच पर अपनी कलाकारी पेश की। मंच पर सबसे पहले लंगानी क्लासीकल गायन झालो बिलाओ हमारो.. द्वारा यामदार प्रस्तुति से आगाज किया। उसके बाद केसरिया बालमा पधारो मारो देश, मोरनी बागा में बोले आधी रात में, मारो हिबड़ा में नाचे मोर की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। थोड़े समय में ही लंगानी में सूफी संगीत, दमादम मस्त कलंदर, व निंबुड़ा-निंबुड़ा प्रस्तुत करके छात्रों को अपना दीवाना बना दिया। उसके बाद स्टूडैंट की फरमाइस पर घिरमी, घूमर हमारे जियरों में लागी झंझरी पेश किए गए। इसके साथ ही बरकत खान भी ढोलक की थाप पर उनका साथ दे रहे थे। इसके साथ ही हुसैन खान ने हारमोनियम, पठान खान ने खरताल व नृत्य, पिटू खान ने सारंगी, अलावख्श व असलम खान ने संगीत के रूप में साथ दिया। प्रिंसीपल परमजीत कौर ने सभी का स्वागत किया।

पठान खान आठ वर्ष की आयु से बजा रहे हैं खड़ताल

अनवर के साथी कलाकार पठान खान को खड़ताल बजाते देख हर कोई उनका दीवाना हो जाता है। वहीं पठान खान भी इस मौके पर खूब इंज्याय करते हैं। पठान खान जब आठ वर्ष की आयु के थे, तब से खड़ताल बजा रहे हैं। दिन में मात्र दो घंटे की रियाज ने उनको आज इतना प्रफैक्ट बना दिया है कि किसी भी गाने के साथ वह खड़ताल को बजा कर माहौल को बांध देते हैं। पठान बताते हैं कि उन्होंने अपने गुरु कैलाश खां से इसकी ट्रेनिंग ली और उनके पिता भी खड़ताल बजाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास खड़ताल सीखने वालों में लड़क ज्यादा आते हैं, जबकि लड़कियों का इंट्रैस्ट कम है। उन्होंने अपने पिता से भी बहुत कुछ सीखा है। पठान करते हैं कि चाहे वह कई घंटे लगातार खड़ताल बजा ले अब उनको कोई फर्क नहीं पड़ता, जब इस बात का ध्यान होता है कि पब्लिक खुश होनी चाहिए।

डी.ए.वी. स्कूल में भी गूंजे लोकगीत

लुधियाना (रजनी) : डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बी.आर.एस. नगर में राजस्थान के लोकगीत गूंजे तो हर कोई अनवर खा और उनके साथियों की वाह-वाही करने लगे। भारतीय परंपरा के मुताबिक दीप प्रज्वलित करके समारोह की शुरुआत की गई। अनवर खान और उनके साथियों को राजस्थानी के लोकगीतों के साथ-साथ स्टूडैंट की डिमांड पर भी गीत पेश किए, जिनको सुनकर हर कोई थिरकने पर मजबूर हो गया। प्रिंसीपल जसविंदर कौर सिद्धू ने स्पीक मैके व राजस्थानी लोकगायकों का स्वागत किया। इस मौके पर स्पिक मैके की तरफ से नीलम कपूर और डा. परमीत सैनी भी उपस्थित थे।